



गुरसे में लाल महिला ने शख्स को कार से एक किलोमीटर घसीटा



बैंगलुरु में दिल ढहना देने वाला डाक्सा समन आया है। यहां मामूली सी बात पर कार सवार एक महिला ने एक शख्स को कार के बोनेट पर करीब एक किलोमीटर तक थक किया। बताया जा रहा है कि दोनों की कार में टक्कर हुई थी। इस पर दोनों के बीच कहासुनी हुई। इस दौरान महिला ने अखेल इशारा किया था। घटना ज्ञान भारती नागर क्षेत्र की है। यहां दो कारों के बीच टक्कर हो गई। एक कार खेता नाम की महिला बता रही थी। वही इशारा कार दर्शन का शख्स बता रहा था। दोनों के बीच के बाद खेता के बीच बस दर्शन की बीच बस हुई। आरोप है कि इसी दौरान खेता को लेकर पुलिस ने बताया कि दोनों पांचों की ओर से रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर सरकार के अतिक्रमण हटाने के सर्कुलर पर रोक लगाने से इनकार



नई दिल्ली एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर के उस सर्कुलर पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है कि सभी उपायुक्तों को 31 जनवरी 2023 तक राशनी भूमि और कहरी भूमि सहित राज्य भूमि पर अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था। जरिये एमआर शाह और जरिये सीटी रखिकर्मा की पीठ ने हालांकि कोई लिखित आदेश पारित करने पर अपनी कार के लैकिन योथिक तौर पर कोई शासिक प्रेस से यह जरूर कहा कि फिलहाल किसी भी घर को ना गिराया जाए। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने जम्मू-कश्मीर के वीकील से कहा जाए कि आदेश पारित करने के बाद वीकील के बाद राशनी भूमि और राशन के बीच बस हुई है। आप अशांदी को मौखिक रूप से किसी भी घर को नहीं गिराना का निर्देश है। हम सामाजिक तरीके से रोक नहीं लगाएं दूसरों को फायदा नहीं मिलना चाहिए। सुनवाई के दौरान योथिकराने के वीकील ने तर्क दिया कि कई अधिवासी भूमि पर निवास कर रहे हैं और राशन के बीच अदालत का सहारा दिया है। जरिये शाह ने पूछा कि अगर से दिया जाता है तो इसके जीवन हड्डेवालों को भी फायदा होगा? केंद्र शासित प्रदेश की ओर से पैश वीकील ने सह बताया कि सर्कुलर मुख्य रूप से रोशनी भूमि पर केंद्रित है।

दिल्ली में मौसम ने ली करवट सर्दी से फिलहाल राहत

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में शुक्रवार सुबह न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री सेंट्रिल्यूस दर्ज किया गया जो समान्य से तीन डिग्री अधिक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि दिल्ली में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 23.1 डिग्री रखा किया गया जो समान्य से तीन डिग्री अधिक था। अईएमएडी के मूलतात्त्व अगले सातह शहर में हल्के से सम्यक दर्जे को बारिश की संभावना है। विभाग ने बताया कि 23 और 24 जनवरी को पंजाब के लिए धूपांगड़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए धूपांगड़ स्थलों पर हड्डेवालों को मिलेगा।

एक दिन पहले माता-पिता को दिया था मैरिज एनिवर्सरी पर सरप्राइज, दूसरे दिन कार हादसे में बेटे की मौत

आगरा, एजेंसी। आगरा में सिकंदरा हाईकोर्ट पर गुरु का ताल के पास शुक्रवार आधी रात को कार दुर्घटना में कारोबारी के पुत्र की मृत्यु हो गई। वह दोस्रे की जन्मदिन पार्टी में शामिल होकर घर आ रहे थे। अधिक और आराती की 20 जनवरी को शादी की वर्षगांठ है।

दिल्ली में पढ़ाई कर रहे थे हृदय

कमलनगर में मुगल रोडरिस्ट अनुम वाईटेस अपार्टमेंट के रहने वाले

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय ने दिया था माता-पिता को सरप्राइज

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।

हृदय की मौत से परिवार का बुरा हाल है। उहाँने माता-पिता की शादी की वर्षगांठ पर पर बिना बताए और सरप्राइज दिया था। बेटे के अनेसे माता-पिता बेहद खुश थे। मगर, कुछ ही घंटों बाद दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने पूरे परिवार को हिला कर रख दिया।



अत्यंत गंभीर सवाल

यह आम निष्कर्ष रहा कि आधे से ज्यादा बच्चे अपनी बलास से दो बलास नीचे के टेक्स्ट टीक से नहीं पढ़ पाते। गणित की स्थिति और खराब है। एक चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया है कि सरकारी स्कूलों के छात्रों का प्रदर्शन प्राइवेट स्कूलों के छात्रों से अपेक्षाकृत बेहतर है। इस समय भारत के दुनिया की सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम इसकी गवाही दे रहा है। औडिशा में बना भारत का सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम इसकी गवाही दे रहा है।

श्रीजेश के यथा से हॉकी विश्व कप की उठमीद

आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत न होने के बावजूद हॉकी के लिये प्राणपण से समर्पित औडिशा हॉकी वर्ल्ड कप की बख्बी भेजवानी कर रहा है। औडिशा में बना भारत का सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम इसकी गवाही दे रहा है। औडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक बिना गाजे-बाजे व प्रधार के चुपचाप रघुनाथक बदलावों व खेलों के आयोजन में रत रहे हैं। यह विडवना ही है कि बाजार ने अपने मुनाफे के लिये किस तरह हमारे परंपरागत खेलों को हाशिया पर डाल दिया है। इस प्रतिष्ठित हॉकी वर्ल्ड कप की उत्तीर्ण चर्चा भी मीडिया में नजर नहीं आई, जितनी छोटे-मोटे क्रिकेट के देशी भैंच आयोजन की होती है। देश में ऐसे लोग कम ही होंगे जो हमारी हॉकी टीम के सभी खिलाड़ियों से बाकिफ होंगे।

बहरहाल, इस टीम से उमीद की जा रही है कि साढ़े चार दशक बाद ही सही, वर्ल्ड कप की ट्रॉफी भेजवान भारत के खेलों में दर्ज हो सके। निम्न और मध्यवर्गीय परिवर्गों से आये तामां खिलाड़ी परी जान लगाकर युवाओं में डटे हैं। लेकिन सुधारों में एक ही भारतीय हॉकी का नीतिन है गोल्कीपर श्रीजेश, जिन पर इस ट्रॉफी का सबसे बड़ा दोषपादर बताया जा है। हमारी कामयाबी इस बात से तय होगी कि वे विषयी टीम के हालों वाले कितने गोल रोक पाते हैं। पिछले ओलंपिक में उनके उदास प्रदर्शन ही टीम में 41 साल बाद पदक जीता था। ऐसी विजयी उमीदें इस बार भी की जा रही हैं।

आज देश में सवाल किया जा रहा है कि क्या भारत 1975 के विश्वकप को दोहरा पायेगा। हॉकी के प्रेमियों की आकांक्षाएं सातवें आसान पर हैं ब्याकोंप्रतियोगिता भारत में आयोजित हो रही है। निस्पेह दैनीकी साल का अंतराल बड़ा होता है। अब तक तकोंक, सुविधाओं वाला संसाधनों में काफी बदलाव हुआ है। महरों कोच टीम की मिले हैं। बहरहाल, हॉकी टीम के गोल्कीपर श्रीजेश को लेकर ज्यादा उमीदें उकान पर हैं क्योंकि यह उनका अंतिम विश्वकप है। उनके प्रशंसक कात्तों हैं कि उनके खेलों वाले कितने गोल रोक पाते हैं। लोग भूले नहीं हैं कि दोक्यों विश्वकप में उनकी सम्मानजनक ढंग से विदाई है। लोग भूले नहीं हैं कि दोक्यों विश्वकप के प्रशंसक में बेहतर प्रदर्शन कर रही है।

हाल के दिनों में अपने प्रदर्शन से अनुभवी श्रीजेश दिखा चुके हैं कि कई कड़े मुकाबलों में वह निर्णायक धूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने बड़े संघर्षों के बाद यह मुकाम हासिल किया



ओलंपिक में भारत की ज्ञाती में पदक आया था। इससे पहले भारत ने 1980 के मास्को ओलंपिक में पदक जीता था। वह भी तब जब दुनिया की कई दिग्यज हॉकी टीमों ने कूटनीतिक कारणों से खेलों को बहिकार किया था। बहरहाल, दोक्यों ओलंपिक ने भारतीय टीम की जीत की उमीदों को जोगा दिया है। इस बार आधुनिक सुविधाओं और नीति इंडिया का शनावन प्रदर्शन रहा है। इसके चलते अब कहा जा रहा है कि भारतीय टीम के सुनहरे दिन लौटें लगाए हैं, जिसमें श्रीजेश निर्णायक योगदान दे सकते हैं। सीधी गणित है कि वे जितने गोल रोकेंगे, भारत की सुनहरी मिजल उतनी करीब होगी।

अरुण नेथानी

परीक्षाओं को लेकर अक्सर कहा जाता है कि परीक्षा न तो आसान होती है, न कठिन होती है। जो विद्यार्थी ईमानदारी और मेनत से पढ़ाई करते हैं, उनके लिए परीक्षा कामयादी के अंतराल बड़ा होता है। अब तक तकोंक, सुविधाओं वाला संसाधनों में काफी बदलाव हुआ है। महरों कोच टीम की मिले हैं। बहरहाल, हॉकी टीम के गोल्कीपर श्रीजेश को लेकर ज्यादा उमीदें उकान पर हैं क्योंकि यह उनका अंतिम विश्वकप है। उनके प्रशंसक कात्तों हैं कि उनके खेलों वाले कितने गोल रोक पाते हैं। लोग भूले नहीं हैं कि दोक्यों विश्वकप में उनकी सम्मानजनक ढंग से विदाई है। तभी 41 साल बाद पदक जीता था। ऐसी विजयी उमीदें इस बार भी की जा रही हैं।

परीक्षाओं को लेकर अक्सर कहा जाता है कि परीक्षा न तो आसान होती है, न कठिन होती है। जो विद्यार्थी ईमानदारी और मेनत से पढ़ाई करते हैं, उनके लिए परीक्षा कामयादी है और खाता है। अब तक तकोंक, सुविधाओं वाला संसाधनों में काफी बदलाव हुआ है। महरों कोच टीम की मिले हैं। बहरहाल, हॉकी टीम के गोल्कीपर श्रीजेश को लेकर ज्यादा उमीदें उकान पर हैं क्योंकि यह उनका अंतिम विश्वकप है। उनके प्रशंसक कात्तों हैं कि उनके खेलों वाले कितने गोल रोक पाते हैं। लोग भूले नहीं हैं कि दोक्यों विश्वकप में उनकी सम्मानजनक ढंग से विदाई है। तभी 41 साल बाद पदक जीता था। ऐसी विजयी उमीदें इस बार भी की जा रही हैं।

परीक्षाओं को लेकर अक्सर कहा जाता है कि परीक्षा न तो आसान होती है, न कठिन होती है। जो विद्यार्थी ईमानदारी और मेनत से पढ़ाई करते हैं, उनके लिए परीक्षा कामयादी है और खाता है। अब तक तकोंक, सुविधाओं वाला संसाधनों में काफी बदलाव हुआ है। महरों कोच टीम की मिले हैं। बहरहाल, हॉकी टीम के गोल्कीपर श्रीजेश को लेकर ज्यादा उमीदें उकान पर हैं क्योंकि यह उनका अंतिम विश्वकप है। उनके प्रशंसक कात्तों हैं कि उनके खेलों वाले कितने गोल रोक पाते हैं। लोग भूले नहीं हैं कि दोक्यों विश्वकप में उनकी सम्मानजनक ढंग से विदाई है। तभी 41 साल बाद पदक जीता था। ऐसी विजयी उमीदें इस बार भी की जा रही हैं।

परीक्षाओं को लेकर अक्सर कहा जाता है कि परीक्षा न तो आसान होती है, न कठिन होती है। जो विद्यार्थी ईमानदारी और मेनत से पढ़ाई करते हैं, उनके लिए परीक्षा कामयादी है और खाता है। अब तक तकोंक, सुविधाओं वाला संसाधनों में काफी बदलाव हुआ है। महरों कोच टीम की मिले हैं। बहरहाल, हॉकी टीम के गोल्कीपर श्रीजेश को लेकर ज्यादा उमीदें उकान पर हैं क्योंकि यह उनका अंतिम विश्वकप है। उनके प्रशंसक कात्तों हैं कि उनके खेलों वाले कितने गोल रोक पाते हैं। लोग भूले नहीं हैं कि दोक्यों विश्वकप में उनकी सम्मानजनक ढंग से विदाई है। तभी 41 साल बाद पदक जीता था। ऐसी विजयी उमीदें इस बार भी की जा रही हैं।

परीक्षाओं को लेकर अक्सर कहा जाता है कि परीक्षा न तो आसान होती है, न कठिन होती है। जो विद्यार्थी ईमानदारी और मेनत से पढ़ाई करते हैं, उनके लिए परीक्षा कामयादी है और खाता है। अब तक तकोंक, सुविधाओं वाला संसाधनों में काफी बदलाव हुआ है। महरों कोच टीम की मिले हैं। बहरहाल, हॉकी टीम के गोल्कीपर श्रीजेश को लेकर ज्यादा उमीदें उकान पर हैं क्योंकि यह उनका अंतिम विश्वकप है। उनके प्रशंसक कात्तों हैं कि उनके खेलों वाले कितने गोल रोक पाते हैं। लोग भूले नहीं हैं कि दोक्यों विश्वकप में उनकी सम्मानजनक ढंग से विदाई है। तभी 41 साल बाद पदक जीता था। ऐसी विजयी उमीदें इस बार भी की जा रही हैं।

परीक्षाओं को लेकर अक्सर कहा जाता है कि परीक्षा न तो आसान होती है, न कठिन होती है। जो विद्यार्थी ईमानदारी और मेनत से पढ़ाई करते हैं, उनके लिए परीक्षा कामयादी है और खाता है। अब तक तकोंक, सुविधाओं वाला संसाधनों में काफी बदलाव हुआ है। महरों कोच टीम की मिले हैं। बहरहाल, हॉकी टीम के गोल्कीपर श्रीजेश को लेकर ज्यादा उमीदें उकान पर हैं क्योंकि यह उनका अंतिम विश्वकप है। उनके प्रशंसक कात्तों हैं कि उनके खेलों वाले कितने गोल रोक पाते हैं। लोग भूले नहीं हैं कि दोक्यों विश्वकप में उनकी सम्मानजनक ढंग से विदाई है। तभी 41 साल बाद पदक जीता था। ऐसी विजयी उमीदें इस बार भी की जा रही हैं।

परीक्षाओं को लेकर अक्सर कहा जाता है कि परीक्षा न तो आसान होती है, न कठिन होती है। जो विद्यार्थी ईमानदारी और मेनत से पढ़ाई करते हैं, उनके लिए परीक्षा कामयादी है और खाता है। अब तक तकोंक, सुविधाओं वाला संसाधनों में काफी बदलाव हुआ है। महरों कोच टीम की मिले हैं। बहरहाल, हॉकी टीम के गोल्कीपर श्रीजेश को लेकर ज्यादा उमीदें उकान पर हैं क्योंकि यह उनका अंतिम विश्वकप है। उनके प्रशंसक कात्तों हैं कि उनके खेलों वाले कितने गोल रोक पाते हैं। लोग भूले नहीं हैं कि दोक्यों विश्वकप में उनकी सम्मानजनक ढंग से विदाई है। तभी 41 साल बाद पदक जीता था। ऐसी विजयी उमीदें इस बार भी की जा रही हैं।

परीक्षाओं को लेकर अक्सर कहा जाता है कि परीक्षा न तो आसान होती है, न कठिन होती है। जो विद्यार्थी ईमानदारी और मेनत से पढ़ाई करते हैं, उनके लिए परीक्षा कामयादी है और खाता है। अब तक तकोंक, सुविधाओं वाला संसाधनों में काफी बदलाव हुआ है। महरों कोच टीम की मिले हैं। बहरहाल, हॉकी टीम के गोल्कीपर श्रीजेश को लेकर ज्यादा उमीदें उकान पर हैं क्योंकि य

रोहन बोपन्ना ऑस्ट्रेलिया ओपन में मेसडबल्स से बाहर

पहले मैच में ऑस्ट्रिया की जोड़ी के खिलाफ दो सेट में मिली हार



मेलबर्न, एजेंसी। भारत के स्टार टेनिस प्लेयर रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई साथी ऐश्वर्य एबेडे मेस डबल के पहले दौर में सीधे सेटों में हारने के बाद शुक्रवार को ऑपन से बाहर हो गए। वे अब मिक्स्ड डबल्स खेलते हैं। भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी अपने आखिरी ग्रैंड स्लैम में खेलते हुए, भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिंज ने गुलबार को मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन ऑपन के सेकंड राउंड में पहुंची। सानिया और उनकी पार्टनर काजिकस्तान की एना डेनिलिना

और उन्हें इसका खामियाजा भी भुगतना पड़ा।

सानिया मिंज ऑस्ट्रेलिया ऑपन के सेकंड राउंड में पहुंची

अपने आखिरी ग्रैंड स्लैम में खेलते हुए, भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिंज ने गुलबार को मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन ऑपन के सेकंड राउंड में पहुंची। सानिया और उनकी पार्टनर काजिकस्तान की एना डेनिलिना

निमेस डबल्स में हार्गी की डालमा गल्फी और अमेरिका की बन्दूंडे पेरा को 6-2, 7-5 से एक तरफ मुकाबले में हारा। दूसरे राउंड में सानिया-एना की जोड़ी का सामने वान यू और कालिनिना से होगा। वान यू और कालिनिना ने जिदानसेन और होजुमी को 7-6, 6-3 से हराया था। सानिया और एना के लिए यह मुकाबला मुश्किल होगा।

मिंज और बोपन्ना की जोड़ी मिक्स्ड डबल्स खेलेगी

बोपन्ना का ऑस्ट्रेलिया ऑपन में सफर अभी खत्म नहीं हुआ है। वे सानिया मिंज के साथ मिक्स्ड डबल्स केटेंडरी में खेलते हैं। इसमें पहले मिंज-बोपन्ना की जोड़ी 2021 में विवर्लन में उत्तीर्णी थी। इस जोड़ी को तीसरे राउंड में जेंजी रोजेट और आरोजा कोरेंपिक की 14वीं सीड जोड़ी ने 3-6, 6-3, 9-11 से हाराया था। दोनों रियो ओलंपिक 2016 में भी उत्तर चुके हैं। हालांकि, भारतीय जोड़ी थोड़े अंतर से ब्राउन-मेडल चूके थीं। उसे ब्राउन मैट्रिक में चेक रिपब्लिक की लूपी हरडेका और राडेक स्टेपानेक ने हाराया था।

मेस डबल्स में भारत के रामनाथन, भांदरी, माइनी बाहर

गुरुवार को मेस डबल्स में भारत के रामनाथन, भांदरी और सानिया अपने मैक्सिकन जोड़ी ने गुलबार को मेलबर्न में आरोजा कोरेंपिक की साथ उत्तीर्ण हो गई। तीन सेट के बाद मेस रामनाथन 6-3 5-7 और 3-6 से हार गए। वाइल्ड कार्ड से एंट्री लेने वाली भांदरी और मायनेनी की जोड़ी एंड्रेस माइनी और जेन पीयर्स की ऑस्ट्रेलियाई जिम्बाने पेरेर से 6-7, 7-6 और 6-3 से हार गए।

पाकिस्तानी TV एंकर से टकराया फील्डर, गिर पड़ी



दक्षिण अफ्रीकी लीग में प्लेयर ने डाइव लगाई थी, एकर गोली- मरहम के लिए बर्फ लाओ

जोहान्सबर्ग एजेंसी। सेंचुरियन में सनराइजर्स ईस्टर्न केप और MI के पांच टाइम के बीच SA20 लीग गेम के दौरान पाकिस्तानी एकर जैनवरी अंतर्वर्ष में दूसरे दिन पर गिर गई। जैनवरी बॉलंडी लाइन के बहार मैच की कोर्मेंटी कर रही थी। 13वें ओवर में, सनराइजर्स ईस्टर्न के प्रकार के मार्कों जानसन ने सैम करन की गेंद पर मिड-विकेट की ओर शानदार शॉट लगाया, फिल्डर चौका रोकने आया और बालंड रोकने ने लिए उसने डाइवर पर सुरक्षा टीवी को देखा। जैनवरी बॉलंडी लाइन को गोलीया भी भुगतना पड़ा।

जैनवरी बॉलंडी लाइन को गोलीया भी भुगतना पड़ा। एकर जैनवरी बॉलंडी लाइन के बीच 33 मुकाबले खेले गए। इस लीग को मिनी IPL भी कह सकते हैं। टूर्नामेंट की सभी टीमों का मालिकाना हक मुंबई इंडियन्स, चैंपेनी सुपर किंस और सनराइजर्स हैं। इसमें 6 IPL फैंचाइजी के पास है। IPL की इनामी रोशि 46.5 करोड़ रु. के मुकाबले लीग की 33 करोड़ है। फैंचाइजी ने टीमों की एक जैसी ही पहचान के लिए एकलोकल कोच नियुक्त किए हैं। टीमों के लिए, जैसी भी IPL जीतें हैं।

सनराइजर्स ईस्टर्न के प्रेस मेच जीता

मैच की बात के तो रुद्ध के टाइम के खिलाफ सनराइजर्स ईस्टर्न के प्रेस ने 172 रन के लक्ष का गोली करते हुए 2

पठान के साथ नहीं पहले ही रिलीज होगा तूँझूटी मैं मरकार का ट्रेलर

मेकर्स ने नए पोस्टर संग किया ऐलान



कैसा है नया पोस्टर

रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर स्टारर तूँझूटी मैं मरकार के ट्रेलर को लेकर पहले खबर आई थी कि वह शाहरुख खान की फिल्म पठान के साथ थिएटर में रिलीज होगा। जैनवरी अब नए पोस्टर के साथ मरकार के ट्रेलर के लिए जारी किया जाएगा। इसे में अब तक के लिए केवल रुद्ध रूप से देखा जा सकता है।

कब रिलीज होगा ट्रेलर

रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर स्टारर तूँझूटी मैं मरकार के ट्रेलर को लेकर पहले खबर आई थी कि वह शाहरुख खान की फिल्म पठान के साथ थिएटर में रिलीज होगा। जैनवरी अब नए पोस्टर के साथ मरकार के ट्रेलर के लिए जारी किया जाएगा। इसे में अब तक के लिए केवल रुद्ध रूप से देखा जा सकता है।

यह नया पोस्टर की दुनिया को जीवंत करता है, जो बहुत ही रंगीन, मजेदार और जीवन से भरपूर है। वह देखते हुए कि वह लव रंजन की फिल्म है, हम अंदर जागा सकते हैं कि फिल्म को लव फिल्म के लव रंजन और अंकर गर्भ द्वारा निर्मित किया गया है, जैसे दीपी-सीरीज के गुलबार कुमार और भूषण कुमार द्वारा इसे प्रस्तुत किया है। यह 5 अप्रैल 2023 को होली के दिन दुनिया भर के सिस्नेमार्शों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

यह नया पोस्टर की दुनिया को जीवंत करता है, जो बहुत ही रंगीन, मजेदार और जीवन से भरपूर है। वह देखते हुए कि वह लव रंजन की फिल्म है, हम अंदर जागा सकते हैं कि फिल्म को लव फिल्म के लव रंजन और अंकर गर्भ द्वारा निर्मित किया गया है, जैसे दीपी-सीरीज के गुलबार कुमार और भूषण कुमार द्वारा इसे प्रस्तुत किया है। यह 5 अप्रैल 2023 को होली के दिन दुनिया भर के सिस्नेमार्शों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

यह नया पोस्टर की दुनिया को जीवंत करता है, जो बहुत ही रंगीन, मजेदार और जीवन से भरपूर है। वह देखते हुए कि वह लव रंजन की फिल्म है, हम अंदर जागा सकते हैं कि फिल्म को लव फिल्म के लव रंजन और अंकर गर्भ द्वारा निर्मित किया गया है, जैसे दीपी-सीरीज के गुलबार कुमार और भूषण कुमार द्वारा इसे प्रस्तुत किया है। यह 5 अप्रैल 2023 को होली के दिन दुनिया भर के सिस्नेमार्शों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

यह नया पोस्टर की दुनिया को जीवंत करता है, जो बहुत ही रंगीन, मजेदार और जीवन से भरपूर है। वह देखते हुए कि वह लव रंजन की फिल्म है, हम अंदर जागा सकते हैं कि फिल्म को लव फिल्म के लव रंजन और अंकर गर्भ द्वारा निर्मित किया गया है, जैसे दीपी-सीरीज के गुलबार कुमार और भूषण कुमार द्वारा इसे प्रस्तुत किया है। यह 5 अप्रैल 2023 को होली के दिन दुनिया भर के सिस्नेमार्शों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

यह नया पोस्टर की दुनिया को जीवंत करता है, जो बहुत ही रंगीन, मजेदार और जीवन से भरपूर है। वह देखते हुए कि वह लव रंजन की फिल्म है, हम अंदर जागा सकते हैं कि फिल्म को लव फिल्म के लव रंजन और अंकर गर्भ द्वारा निर्मित किया गया है, जैसे दीपी-सीरीज के गुलबार कुमार और भूषण कुमार द्वारा इसे प्रस्तुत किया है। यह 5 अप्रैल 2023 को होली के दिन दुनिया भर के सिस्नेमार्शों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

यह नया पोस्टर की दुनिया को जीवंत करता है, जो बहुत ही रंगीन, मजेदार और जीवन से भरपूर है। वह देखते हुए कि वह लव रंजन की फिल्म है, हम अंदर जागा सकते हैं कि फिल्म को लव फिल्म के लव रंजन और अंकर गर्भ द्वारा निर्मित किया गया है, जैसे दीपी-सीरीज के गुलबार कुमार और भूषण कुमार द्वारा इसे प्रस्तुत किया है। यह 5 अप्रैल 2023 को होली के दिन दुनिया भर के सिस्नेमार्शों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

यह नया पोस्टर की दुनिया को जीवंत करता है, जो बहुत ही रंगीन, मजेदार और जीवन से भरपूर है। वह देखते हुए कि वह लव रंजन की फिल्म है, हम अंदर जागा सकते हैं कि फिल्म को लव फिल्म के लव रंजन और अंकर गर्भ द्वारा निर्मित किया गया है, जैसे दीपी-सीरीज के गुलबार कुमार और भूषण कुमार द्वारा इसे प्रस्तुत किया है। यह 5 अप्रैल 2023 को होली के दिन दुनिया भर के सिस्नेमार्शों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

यह नया पोस्टर की दुनिया को जीवंत करता है, जो बहुत ही रंगीन, मजेदार और जीवन से भरपूर है। वह देखते हुए कि वह लव रंजन की फिल्म है, हम अंदर जागा सकते हैं कि फिल्म को लव फिल्म के ल



विज्ञान से विकास...



भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव

21-24 जनवरी, 2023

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार
के साथ अमृतकाल की ओर अग्रसर



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

मुख्य आकर्षण

- आर्टिसन्स टेक्नोलॉजी विलेज
- इंटरनेशनल साइंस फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया
- मेगा साइंस एंड टेक्नोलॉजी एजनीबिशन
- न्यू एज टेक्नोलॉजी शो
- स्टार्टअप कॉन्क्लेव
- स्टूडेंट्स इनोवेशन फेस्टिवल
- स्टूडेंट्स साइंस विलेज - 2022
- यंग साइंटिस्ट कॉन्फ्रेंस
- साइंस शूगेम्स एंड टॉयज़
- साइंस लिटरेचर फेस्टिवल
- और भी बहुत कुछ...

शुभारंभ

- मुख्य अतिथि
- शिवराज सिंह चौहान
- मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
- गरिमामयी उपस्थिति
- डॉ. जितेन्द्र सिंह

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत सरकार

21 जनवरी, 2023 | पूर्वाह्न 10:30 बजे
मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट)
भोपाल